



Niraj

05 Sep 2000

04:02 AM

Bihar Sharif

Model: web-freekundliweb

Order No: 121435103

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 4-05/09/2000
दिन _____: सोम-मंगलवार
जन्म समय _____: 04:02:00 घंटे
इष्ट _____: 56:19:15 घटी
स्थान _____: Bihar Sharif
राज्य _____: Bihar
देश _____: India

अक्षांश _____: 25:07:00 उत्तर
रेखांश _____: 85:25:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: 00:11:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 04:13:40 घंटे
वेलान्तर _____: 00:01:00 घंटे
साम्पातिक काल _____: 03:11:03 घंटे
सूर्योदय _____: 05:30:17 घंटे
सूर्यास्त _____: 18:03:50 घंटे
दिनमान _____: 12:33:32 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: शरद
सूर्य के अंश _____: 18:48:56 सिंह
लग्न के अंश _____: 28:18:32 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी _____: वृश्चिक - मंगल
नक्षत्र-चरण _____: अनुराधा - 3
नक्षत्र स्वामी _____: शनि
योग _____: वैधृति
करण _____: वणिज
गण _____: देव
योनि _____: मृग
नाड़ी _____: मध्य
वर्ण _____: विप्र
वश्य _____: कीटक
वर्ग _____: सर्प
युँजा _____: मध्य
हंसक _____: जल
जन्म नामाक्षर _____: नू-नूर
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: कन्या

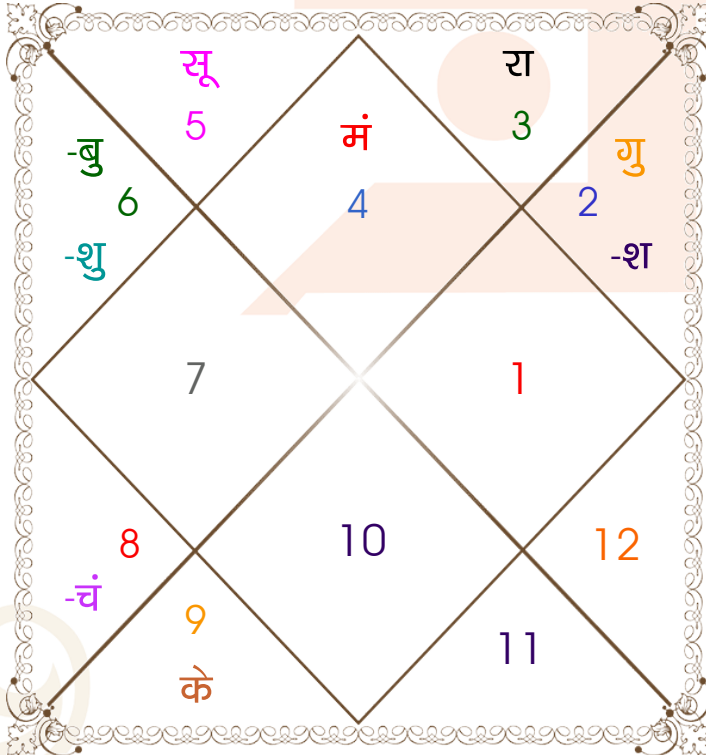
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	28:18:32	317:13:31	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	---
सूर्य			सिंह	18:48:56	00:58:10	पूर्वाफाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मूलत्रिकोण
चंद्र			वृश्चि	10:26:58	12:16:22	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	सूर्य	नीच राशि
मंगल			कर्क	28:29:47	00:38:05	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	नीच राशि
बुध		अ	कन्या	01:06:46	01:42:30	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	उच्च राशि
गुरु			वृष	16:23:08	00:04:41	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			कन्या	12:00:51	01:13:36	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	नीच राशि
शनि			वृष	07:03:54	00:00:49	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	29:31:30	00:01:21	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	चंद्र	उच्च राशि
केतु	व		धनु	29:31:30	00:01:21	उत्तराषाढा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	उच्च राशि
हर्ष	व		मक	24:02:19	00:02:06	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	---
नेप	व		मक	10:21:20	00:01:11	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
प्लूटो			वृश्चि	16:21:08	00:00:30	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			मेष	26:20:29	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	केतु	--

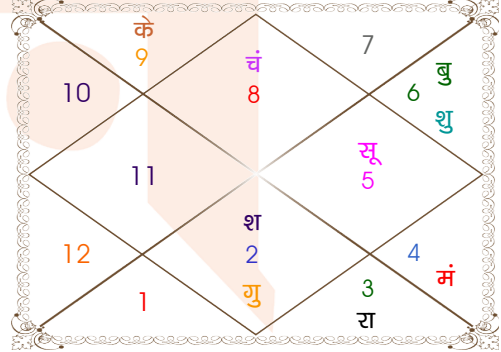
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:44

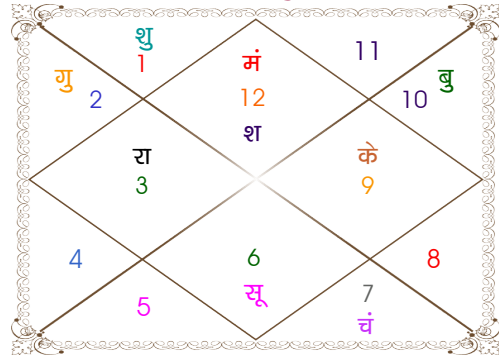
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 8 वर्ष 10 मास 9 दिन

शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष
05/09/2000	16/07/2009	16/07/2026	16/07/2033	16/07/2053
16/07/2009	16/07/2026	16/07/2033	16/07/2053	16/07/2059
00/00/0000	बुध 12/12/2011	केतु 12/12/2026	शुक्र 14/11/2036	सूर्य 02/11/2053
00/00/0000	केतु 08/12/2012	शुक्र 11/02/2028	सूर्य 14/11/2037	चंद्र 04/05/2054
00/00/0000	शुक्र 09/10/2015	सूर्य 18/06/2028	चंद्र 16/07/2039	मंगल 09/09/2054
05/09/2000	सूर्य 15/08/2016	चंद्र 17/01/2029	मंगल 14/09/2040	राहु 03/08/2055
सूर्य 18/06/2001	चंद्र 14/01/2018	मंगल 15/06/2029	राहु 15/09/2043	गुरु 22/05/2056
चंद्र 18/01/2003	मंगल 11/01/2019	राहु 04/07/2030	गुरु 16/05/2046	शनि 04/05/2057
मंगल 26/02/2004	राहु 31/07/2021	गुरु 10/06/2031	शनि 16/07/2049	बुध 10/03/2058
राहु 02/01/2007	गुरु 06/11/2023	शनि 18/07/2032	बुध 15/05/2052	केतु 16/07/2058
गुरु 16/07/2009	शनि 16/07/2026	बुध 16/07/2033	केतु 16/07/2053	शुक्र 16/07/2059

चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष
16/07/2059	16/07/2069	15/07/2076	16/07/2094	17/07/2110
16/07/2069	15/07/2076	16/07/2094	17/07/2110	00/00/0000
चंद्र 15/05/2060	मंगल 12/12/2069	राहु 29/03/2079	गुरु 02/09/2096	शनि 20/07/2113
मंगल 15/12/2060	राहु 30/12/2070	गुरु 21/08/2081	शनि 16/03/2099	बुध 29/03/2116
राहु 15/06/2062	गुरु 06/12/2071	शनि 27/06/2084	बुध 22/06/2101	केतु 08/05/2117
गुरु 15/10/2063	शनि 14/01/2073	बुध 14/01/2087	केतु 29/05/2102	शुक्र 07/07/2120
शनि 16/05/2065	बुध 11/01/2074	केतु 02/02/2088	शुक्र 27/01/2105	सूर्य 06/09/2120
बुध 15/10/2066	केतु 09/06/2074	शुक्र 02/02/2091	सूर्य 15/11/2105	00/00/0000
केतु 16/05/2067	शुक्र 09/08/2075	सूर्य 27/12/2091	चंद्र 17/03/2107	00/00/0000
शुक्र 14/01/2069	सूर्य 15/12/2075	चंद्र 27/06/2093	मंगल 21/02/2108	00/00/0000
सूर्य 16/07/2069	चंद्र 15/07/2076	मंगल 16/07/2094	राहु 17/07/2110	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 8 वर्ष 11 मा 1 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा के भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहते हैं। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरुचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृत्ति के प्राणी हैं। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रुचिवान हैं। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेंगे यह आप ही जानते हैं।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्या के ज्ञाता हैं तथा सामंजस्य स्थापित करते हैं। आप कुशाग्रबुद्धि के प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखते।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृत्ति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए कि नीति अपनाते हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरुचि रहती है क्योंकि कि आप स्वार्थी प्राणी हैं। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपने व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करें। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकते हैं। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकते हैं। आप अपनी तामसी प्रवृत्ति का त्याग कर अथवा अवरुद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आप औसतन लम्बे छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर हैं। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकते हैं और आप बेढंगे चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करते रहे तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगा तथा आप एक असामान्य दिखने लगेंगे। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छी रहेगी तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगे।

आपके शरीर का समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योंकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकते हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नहीं होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।

